Mohan Lal Sukhadia University, Udaipur

SYLLABUS FOR SCREENING TEST FOR THE POST OF
ASSISTANT PROFESSOR IN

Subject : RAJASTHANI

Note :- Pattern of Question Paper

1. Objective type paper
2. Maximum Marks : 100
3. Number of Questions : 100
4. Duration of Paper : Two Hours
5. All questions carry equal marks.
6. There will be Negative Marking.

इकाई—I : राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ

राजस्थानी भाषा का उद्भव और विकास

राजस्थानी की विभिन्न बोलियाँ; क्षेत्र एवं विशिष्टताएँ

प्रमुख लिपियाँ

इकाई—II : राजस्थानी व्याकरण

राजस्थानी वर्णमाला

राजस्थानी की विशिष्ट ध्वनियाँ

राजस्थानी व्याकरण—सामान्य ज्ञान

राजस्थानी शब्द-कोष लेखन परम्परा

इकाई—III : प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य (वीर एवं नीति-काव्य)

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी वीर-काव्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी नीति-काव्य

इकाई—IV : प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य (भक्ति एवं रीति-काव्य)

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी भक्ति-काव्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी संत-काव्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी रीति-काव्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी शृंगारिक-काव्य

इकाई—V : आधुनिक राजस्थानी काव्य

राष्ट्रीय चेतना परक काव्य

प्रकृति परक काव्य

प्रगतिवादी काव्य

नई कविता

इकाई—VI : प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य (विविध रूप)

बात

ख्यात

वचनिका

दवावैत

विगत

बालावबोध

टीका एवं टब्बा

वंशावली एवं गुर्वावली

इकाई—VII : आधुनिक राजस्थानी गद्य (विविध विधाएँ)

निबन्ध

कहानी

उपन्यास

नाटक

एकांकी

संस्मरण और रेखाचित्र

इकाई—VIII : राजस्थानी लोक-साहित्य (विविध विधाएँ)

राजस्थानी लोक-गीत

राजस्थानी लोक-कथा

राजस्थानी लोक-गाथा

राजस्थानी लोक-नाट्य

राजस्थानी लोकोक्ति-साहित्य (कहावतें एवं मुहावरे)

इकाई—IX : राजस्थानी लोक-संस्कृति के विविध आयाम

राजस्थानी लोक देवी-देवता

राजस्थानी लोकोत्सव (पर्व, मेले, तीज-त्यौहार)

संस्कार एवं अनुष्ठान (सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक)

लोक-कलाएँ (मोडणा, स्थापत्य-कला, चित्र-कला)

लोक-विश्वास एवं शकुन

रीति-रिवाज, खान-पान एवं वेशभूषा

ऋतु-विज्ञान एवं कृषि

इकाई—X : काव्य-शास्त्र

राजस्थानी के लक्षण-ग्रंथों का सामान्य परिचय

छंद

निर्धारित छंद—दूहो, कुण्डळिया, छप्पय, नीसांणी, सावझड़ो, झूलणा, साणोर, नाराच, मन्दाक्रान्ता एवं धनाक्षरी—केवल 10 छंद

अलंकार

निर्धारित अलंकार—यमक, वयणसगाई, श्लेष, रूपक, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह एवं भ्रांतिमान—केवल 10 अलंकार

काव्य-दोष

निर्धारित काव्य-दोष—छबकाळ, पांगळो, हीण, निनंग एवं अपस—(केवल 5 दोष)